

### Wo sind Bibelfliesen-Abbildungen zu finden?

**Fli.Bi** = Fliesenbibel 2. Auflage 2012; **AK** = Ausstellungskatalog „Mit Bilderfliesen durch die Bibel“ 2010;

**BiBi** = „Bibelfliesen-Bilder“-Band...; **PI** = Pluis: „Bijbeltegels – Bibelfliesen“ 1994 (vergriffen),

**KK** = Kleine Kostbarkeiten am Kamin

Der angegebenen Seite bei Pluis können mitunter Bilder auf fortlaufenden Seiten folgen.

Die Abbildungen in FliBi, AK und BiBi sind digital auf DVD erhältlich, [perrey.kue@gmx.net](mailto:perrey.kue@gmx.net)

Bei den Evangelien Matthäus, Markus, Lukas und Johannes ist auf Paralleltexte zu achten!

(Diese Übersicht wurde zusammengestellt von Frauke Indenbirken, Heiko Wilts, Elfi und Kurt Perrey)

| Bibelstelle       | Text-Überschrift                             | Kenn-Ziffer<br>Bibel-<br>fliese | Fli.-<br>Bi<br>AT<br>S. | AK<br>S. | BiBi<br>Bd./S.  | PI. S.                        | KK<br>S. |
|-------------------|--|---------------------------------|-------------------------|----------|-----------------|-------------------------------|----------|
| 1. Mose 1, 2      | Gottes Geist schwebt über dem Wasser         | O 0                             | 13                      |          | 3/5             |                               |          |
| 1. Mose 1, 12-13  | Die Erschaffung der Pflanzen                 | O 1                             | 13                      |          |                 | 231                           |          |
| 1. Mose 1, 16-19  | Die Erschaffung der Sonne, des Mondes ...    | O 2                             | 14                      |          |                 | 231                           |          |
| 1. Mose 1, 21-23  | Die Erschaffung der Vögel                    | O 3                             | 14                      |          |                 | 231                           |          |
| 1. Mose 2, 7      | Adam im Paradies                             | O 4                             | 15                      | 6        | 6/5             | 231                           |          |
| 1. Mose 2, 19-20  | Adam gibt den Tieren einen Namen             | O 5                             | 15                      |          |                 | 232                           |          |
| 1. Mose 2, 21-22  | Die Erschaffung von Eva                      | O 6                             | 16                      |          | 16/5            | 233                           |          |
| 1. Mose 3, 6      | Adam und Eva im Paradies - der Sündenfall    | O 7                             | 16                      | 7        | 5/5             | 235                           | 36       |
| 1. Mose 3, 24     | Die Vertreibung aus dem Paradies             | O 8                             | 17                      | 8        | 1/5,<br>18/5    | 185<br>234<br>768.16<br>768.5 | 38       |
| 1. Mose 3, 16-19  | Der Mensch wird von Gott bestraft            | O 9                             | 17<br>NT441             |          |                 | 241                           |          |
| 1. Mose 4, 1-2    | Die erste Familie                            | O 10                            | 18                      |          | 5/7, 5/9        | 241                           |          |
| 1. Mose 4, 4-5    | Das Opfer von Kain und Abel                  | O 11                            | 18                      |          | 10/5            | 242                           | 40       |
| 1. Mose 4, 4      | Das Opfer von Abel                           | O 12                            |                         |          | 11/7            | 243                           |          |
| 1. Mose 4, 5      | Das Opfer von Kain                           | O 13                            |                         |          |                 | 243<br>176                    |          |
| 1. Mose 4, 8      | Kain erschlägt Abel                          | O 14                            | 18                      | 9        |                 | 244<br>191<br>768.1<br>768.2  | 42       |
| 1. Mose 4, 14     | Kains Flucht                                 | O 15                            | 18                      |          | 18/7            | 245                           |          |
| 1. Mose 5, 24     | Henoch fährt gen Himmel                      | O 16                            | 20                      |          |                 | 246                           |          |
| 1. Mose 7, 7-9    | Die Tiere gehen in die Arche                 | O 17                            | 21                      | 10       | 3/7,6/7<br>14/5 | 247                           | 44       |
| 1. Mose 7, 17-19  | Die Sintflut                                 | O 18                            | 21                      |          | 3/9,8/5<br>11/9 | 247                           |          |
| 1. Mose 8, 19     | Die Tiere verlassen die Arche                | O 19                            | 22                      |          |                 | 248                           |          |
| 1. Mose 8, 20     | Noachs Dankopfer                             | O 20                            | 22                      |          |                 | 249                           | 46       |
| 1. Mose 9, 12-13  | Gottes Bund mit Noach                        | O 21                            | 23                      | 11       |                 | 250                           |          |
| 1. Mose 9, 21-23  | Sem und Jafet bedecken Noachs Blöße          | O 22                            | 24                      |          |                 | 250<br>768.5                  | 48       |
| 1. Mose 11, 3-5   | Der Turmbau zu Babel                         | O 23                            | 25                      |          | 8/7             | 251<br>183                    | 50       |
| 1. Mose 12, 5     | Abram geht nach Kanaan                       | O 24                            | 26                      |          |                 | 251                           |          |
| 1. Mose 13, 9     | Abram und Lot trennen sich                   | O 25                            | 27                      |          |                 | 252                           |          |
| 1. Mose 14, 18-20 | Abrams Begegnung mit Melchisedek             | O 26                            | 28<br>646               |          |                 | 252                           |          |
| 1. Mose 16, 7-9   | Der Engel des Herrn schickt Hagar zurück ... | O 27                            | 30                      |          | 16/7            | 253                           |          |

| Bibelstelle         | Text-Überschrift                             | Kenn-<br>Ziffer<br>Bibel-<br>fliese | Fli.-<br>Bi<br>AT<br>S. | AK<br>S. | BiBi<br>Bd./S.         | Pl. S.                       | KK<br>S. |
|---------------------|--|-------------------------------------|-------------------------|----------|------------------------|------------------------------|----------|
| 1. Mose 18, 1-3     | Abraham begrüßt die drei Engel               | O 28                                | 31                      |          |                        | 253<br>768.4                 |          |
| 1. Mose 18, 8-10    | Abraham und Sara wird ein Sohn versprochen   | O 29                                | 31                      |          | 1/7                    | 254                          |          |
| 1. Mose 19, 1-2     | Zwei Engel besuchen Lot                      | O 30                                | 33                      |          |                        | 255                          |          |
| 1. Mose 19, 10-11   | Die beiden Engel schützen Lot                | O 31                                | 33                      |          |                        | 255                          |          |
| 1. Mose 19, 15-16   | Lot wird v. den Engeln aus Sodom weggeführt  | O 32                                | 34                      |          | 18/9                   | 256                          |          |
| 1. Mose 19, 23-26   | Lot entkommt der Zerstörung v. Sodom und ... | O 33                                | 34                      | 12       | 1/9,<br>18/11          | 256<br>768.1                 |          |
| 1. Mose 19, 26      | Lots Weib ist zur Salzsäule geworden         | O 34                                | 35                      | 13       | 10/7,<br>14/7          | 257                          | 52       |
| 1. Mose 19, 31-33a  | Lot und seine Töchter                        | O 35                                | 35                      |          |                        | 258<br>768.5                 |          |
| 1. Mose 19, 33b     | Lots Gemeinschaft mit einer Tochter          | O 36                                | 35                      |          |                        | 259                          |          |
| 1. Mose 20, 14      | Abraham bekommt seine Frau Sara wieder       | O 37                                | 36                      |          |                        | 259                          |          |
| 1. Mose 21, 14      | Die Vertreibung von Hagar                    | O 38                                | 37                      |          | 18/13                  | 260                          | 54       |
| 1. Mose 21, 15-19a  | Hagar in der Wüste mit Ismael                | O 39                                | 37                      |          | 1/11,<br>5/11          | 262<br>173<br>768.3<br>768.5 | 56       |
| 1. Mose 22, 6-8     | Abraham und Isaak                            | O 40                                | 38                      |          | 10/9                   | 264                          | 58       |
| 1. Mose 22, 9-13    | Abrahams Opfer                               | O 41                                | 38<br>NT442<br>NT443    | 14       |                        | 265<br>768.9<br>768.6        |          |
| 1. Mose 23, 14-16   | Abraham und Efron                            | O 42                                | 39                      |          |                        | 270                          |          |
| 1. Mose 24, 16-17   | Eliezer begegnet Rebekka                     | O 43                                | 40                      |          | 6/9                    | 270<br>768.4                 |          |
| 1. Mose 24, 18      | Rebekka läßt Eliezer trinken                 | O 44                                | 41                      |          | 14/9                   | 270                          |          |
| 1. Mose 24, 22      | Rebekka empfängt Schmuck von Eliezer         | O 45                                | 41                      |          |                        | 271<br>216                   |          |
|                     |  | O 46                                |                         |          |                        | 271                          |          |
| 1. Mose 25, 9-10    | Abraham wird bei Sara begraben               | O 47                                | 43                      |          | 13/5                   | 271                          |          |
| 1. Mose 25, 29-34   | Esau verkauft sein Erstgeburtsrecht          | O 48                                | 44                      | 15       |                        | 272<br>179                   |          |
| 1. Mose 26, 26-28   | Abimelech besucht Isaak                      | O 49                                | 45                      |          |                        | 272                          |          |
| 1. Mose 27, 27-28   | Isaak segnet Jakob                           | O 50                                | 46                      |          | 10/11                  | 272                          |          |
| 1. Mos.27, 34.39-40 | Esau will auch gesegnet werden               | O 51                                | 46                      |          |                        | 273                          |          |
| 1. Mose 28, 11-13   | Jakobs Traum                                 | O 52                                | 48<br>NT444             |          | 1/13,<br>8/9,<br>18/15 | 273<br>188<br>197            | 60       |
| 1. Mose 29, 10      | Jakob begegnet Rahel                         | O 53                                | 49                      | 16       |                        | 275                          |          |
| 1. Mose 29, 11      | Jakob küsst Rahel                            | O 54                                | 49                      |          | 14/11                  | 275<br>193                   |          |
| 1. Mose 31, 11-13   | Jakob soll nach Kanaan zurückkehren          | O 55                                | 52                      | 17       | 1/15                   | 275                          |          |
|                     |  | O 56                                |                         |          |                        | 277                          |          |
| 1. Mose 32, 25-26   | Jakob ringt mit dem Engel                    | O 57                                | 54                      | 18       | 1/17,<br>2/5,<br>11/11 | 278<br>768.6                 | 62       |
| 1. Mose 32, 27-30   | Jakob bittet den Engel um seinen Segen       | O 58                                | 55                      |          |                        | 279                          |          |
| 1. Mose 33, 3-4     | Jakob versöhnt sich mit Esau                 | O 59                                | 55                      |          | 5/13                   | 279<br>180<br>189            | 64       |
|                     |  | O 60                                |                         |          |                        | 279                          |          |

| Bibelstelle                   | Text-Überschrift                              | Kenn-<br>Ziffer<br>Bibel-<br>fliese | Fli.-<br>Bi<br>AT<br>S. | AK<br>S. | BiBi<br>Bd./S.          | Pl. S.                     | KK<br>S. |
|-------------------------------|---|-------------------------------------|-------------------------|----------|-------------------------|----------------------------|----------|
| 1. Mose 37, 5-8               | Josef erzählt seinen Traum v. den Korngarben  | O 61                                | 59                      |          |                         | 280                        |          |
| 1. Mose 37, 9-11              | Josef erzählt seinen Traum von Sonne...       | O 62                                | 59                      |          |                         | 280                        |          |
| 1. Mos.37, 23-28a             | Josef wird aus der Grube gezogen              | O 63                                | 60                      | 19       | 5/15                    | 281<br>179                 |          |
| 1. Mose 37, 28b               | Josef wird verkauft                           | O 64                                | 60                      |          |                         | 282                        |          |
| 1. Mose 37, 31-34             | Josefs Gewand wird Jakob gezeigt              | O 65                                | 61                      |          |                         | 283                        |          |
| 1. Mose 37, 35                | Jakobs Kinder trösten ihren Vater             | O 66                                | 61                      |          | 13/7                    | 283                        |          |
| 1. Mose 38, 14-18             | Juda und Tamar                                | O 67                                | 62                      |          | 16/9                    | 283<br>181<br>183<br>768.1 | 66       |
| 1. Mose 39, 11-12             | Potifars Frau versucht, Josef zu verführen    | O 68                                | 63                      | 20       |                         | 284<br>768.1<br>768.5      |          |
| 1. Mose 39, 17-18             | Die falsche Anschuldigung von Potifars Frau   | O 69                                | 63                      |          |                         | 284                        |          |
| 1. Mos. 40, 5. 16-19          | Josef erklärt Träume im Gefängnis             | O 70                                | 64                      |          |                         | 285<br>180<br>768.1        |          |
| 1. Mose 41, 25-27             | Josef erklärt die Träume des Pharaos          | O 71                                | 65                      |          |                         | 286                        |          |
| 1. Mose 41, 42-43             | Josef Unterkönig von Ägypten                  | O 72                                | 66                      |          |                         | 286                        |          |
| 1. Mose 42, 1-3               | Jakobs Söhne gehen nach Ägypten               | O 73                                | 67                      |          |                         | 286                        |          |
| 1. Mose 42, 6-8               | Josefs Brüder am ägyptischen Hof              | O 74                                | 67                      |          |                         | 287                        |          |
| 1. Mose 43, 32-33             | Josef lässt für seine Brüder eine Mahlzeit... | O 75                                | 70                      |          | 17/11                   | 287                        |          |
| 1. Mose 44, 11-12             | Der silberne Becher wird in Benjamins Sack... | O 76                                | 70                      |          |                         | 287<br>178                 |          |
| 1. Mose 45, 2-4               | Josef gibt sich seinen Brüdern zu erkennen    | O 77                                | 71                      |          |                         | 288                        |          |
| 1. Mose 46, 29                | Josef begegnet seinem Vater                   | O 78                                | 73                      |          |                         | 288                        |          |
| 1. Mose 47, 7                 | Jakob vor dem Pharao                          | O 79                                | 74                      |          |                         | 288                        |          |
| 1. Mose 48, 17-19             | Jakob segnet Josefs Söhne                     | O 80                                | 76                      | 21       |                         | 288                        |          |
| 2. Mose 1, 22                 | Der Tod der israelitischen Knaben             | O 81                                | 79                      |          | 13/9                    | 289                        |          |
| 2. Mose 2, 1-4                | Mose im Körbchen                              | O 82                                | 80                      | 22       | 3/11,<br>5/17,<br>14/13 | 289<br>176                 |          |
| 2. Mose 2, 5-6                | Mose wird v. d. Tochter des Pharaos gefunden  | O 83                                | 80                      | 23       | 3/13,<br>5/19           | 289<br>179<br>180<br>187   |          |
| (nach Flavius Josephus 2, 26) | Mose tritt auf die Krone des Pharaos          | O 84                                | 81                      |          |                         | 292                        |          |
| 2. Mose 2, 11-12a             | Mose erschlägt einen Ägypter                  | O 85                                | 81                      |          |                         | 292                        |          |
| 2. Mose 2, 12b                | Mose begräbt den Ägypter                      | O 86                                | 81                      |          |                         | 293                        | 68       |
|                               |   | O 87                                |                         |          |                         | 293                        |          |
| 2. Mose 3, 1-2                | Der brennende Dornbusch - der Engel des ...   | O 88                                | 82                      |          |                         | 294                        |          |
| 2. Mose 3, 4-6                | Der brennende Dornbusch - Mose kniet vor ...  | O 89                                | 82                      |          |                         | 294<br>175<br>189<br>768.1 | 70       |
| 2. Mose 4, 1-4                | Mose und die Schlange                         | O 90                                | 83                      |          |                         | 297                        |          |
| 2. Mose 4, 18-26              | Mose und Zippora mit ihren Kindern ...        | O 90a                               |                         |          |                         | 565<br>(1891)              |          |
| 2. Mose 5, 10-14              | Die Zwangsarbeit wird erschwert               | O 91                                | 85                      |          |                         | 297                        |          |

| Bibelstelle          | Text-Überschrift                                   | Kenn-<br>Ziffer<br>Bibel-<br>fliese | Fli.-<br>Bi<br>AT<br>S. | AK<br>S. | BiBi<br>Bd./S.           | Pl. S.                     | KK<br>S. |
|----------------------|--|-------------------------------------|-------------------------|----------|--------------------------|----------------------------|----------|
| 2. Mose 7, 10-13     | Aarons Stab wird in eine Schlange verwandelt       | O 92                                | 87                      |          |                          | 297                        |          |
| 2. Mose 8, 2         | Die zweite ägyptische Plage - die Frösche          | O 93                                | 88                      |          |                          | 298                        |          |
| 2. Mose 12, 11       | Die Einsetzung des Passafestes                     | O 94                                | 92                      | 24       |                          | 298                        |          |
| 2. Mose 12, 29-30    | Die zehnte ägyptische Plage - der Tod der...       | O 95                                | 94                      |          | 13/11                    | 298                        |          |
| 2. Mose 12, 37       | Der Auszug aus Ägypten                             | Ö 96                                | 94                      |          | 18/17                    | 299                        |          |
| 2. Mose 14, 26-27    | Der Durchzug durch das Schilfmeer                  | O 97                                | 97<br>NT445             |          | 3/15,<br>14/15,<br>18/19 | 299<br>182<br>768.4<br>223 |          |
| 2. Mose 16, 11-13    | Die Wachteln fallen vom Himmel                     | O 98                                | 99                      |          |                          | 299                        |          |
| 2. Mose 16, 16-17    | Das Manna fällt vom Himmel                         | O 99                                | 99                      |          | 8/11                     | 300<br>768.2               |          |
| 2. Mose 17, 4-6      | Mose schlägt Wasser aus dem Felsen                 | O 100                               | 100                     |          |                          | 300<br>180                 |          |
|                      |  | O 101                               |                         |          |                          | 301                        |          |
| 2. Mose 20, 18       | Die Übergabe des Gesetzes ...                      | O 102                               | 103                     |          |                          | 301<br>185                 |          |
| 2. Mose 31, 18       | Mose empfängt die steinernen Tafeln                | O 103                               | 116                     | 25       |                          | 301<br>768.2<br>768.3      |          |
| 2. Mose 32, 1-4      | Das goldene Kalb - die Anbetung                    | O 104                               | 117                     |          |                          | 302                        |          |
| 2. Mose 32, 5-6a     | Das goldene Kalb - die Opfer                       | O 105                               | 117                     |          |                          | 303                        |          |
| 2. Mose 32, 6b       | Der Tanz um das goldene Kalb                       | O 106                               | 117                     |          | 15/7                     | 303                        |          |
| 2. Mose 32, 17-19    | Mose zerschmettert die steinernen Tafeln           | O 107                               | 118                     | 26       |                          | 303<br>178                 | 72       |
| 2. Mose 34, 1. 4-5   | Gottes Bund mit Israel                             | O 108                               | 120                     |          |                          | 304                        |          |
| 2. Mose 34, 29-32    | Mose zeigt die neuen steinernen Tafeln             | O 109                               | 121                     | 27       |                          | 304                        | 74       |
| 2. Mose 40, 29       | Aaron als Priester bei der Stiftshütte             | O 110                               | 127                     |          |                          | 305                        |          |
| 3. Mose 10, 1-2      | Der Tod von Nadab und Abihu                        | O 111                               | 137                     |          |                          | 306                        |          |
| 3. Mose 24,10-11a    | Ein Gottesläüsterer wird vor Mose geführt          | O 112                               |                         |          |                          | 306                        |          |
| 3. Mose 7, 11-13     | Die Opfertgaben bei der Einweihung der Stiftshütte | O 113                               |                         |          |                          | 307                        |          |
| 4. Mos. 12, 5. 10-11 | Mirjam wird mit Aussatz bestraft                   | O 114                               | 170                     |          | 16/11                    | 307                        |          |
| 4. Mose 13, 23       | Die Kundschafter                                   | O 115                               | 171                     | 28       | 9/9                      | 308<br>226                 | 76       |
| 4. Mose 21, 8-9      | Die kupferne Schlange                              | O 116                               | 181                     |          | 17/17                    | 308<br>186                 | 78       |
| 4. Mose 22, 22-24    | Bileam und die Eselin                              | O 117                               | 182                     | 29       | 1/19,<br>6/11,<br>11/13  | 309<br>227                 | 80       |
| 4. Mose 25, 7-8      | Pinhas durchbohrt einen Israeliten und ....        | O 118                               |                         |          |                          | 310                        |          |
| 5. Mose 5, 3-6       | Mose erinnert Israel an die Zehn Gebote            | O 119                               | 203                     | 30       |                          | 310                        |          |
| 5. Mose 34, 1-5      | Moses Tod  | O 120                               | 235                     |          | 13/13                    | 310                        |          |
| Josua 2, 4-5.15-16   | Rahab verbirgt die Kundschafter                    | O 121                               | 238                     |          |                          | 311                        |          |
| Josua 4, 5-7         | Gedenksteine zu Gilgal                             | O 122                               | 240                     |          |                          | 311                        |          |
| Josua 5, 13-15       | Josua kniet vor dem Anführer des Heeres ...        | O 123                               | 241                     |          |                          | 311                        |          |
| Josua 6, 20          | Der Fall von Jericho                               | O 124                               | 242                     |          | 15/34                    | 311                        |          |
| Josua 10, 12-13      | „Sonne, steh still über Gibeon“                    | O 125                               | 247                     |          |                          | 312                        |          |
| Josua 10, 26         | Josua lässt fünf Könige hängen                     | O 126                               | 247                     |          |                          | 312                        |          |
| Josua 24, 25-28      | Josua schließt einen Bund in Sichem                | O 127                               | 262                     |          |                          | 312                        |          |
| Richter 1, 6-7       | Adoni-Besek wird bestraft                          | O 128                               | 263                     |          |                          | 312                        |          |
| Richter 4, 6-7       | Barak bei Debora                                   | O 129                               | 267                     |          | 16/13                    | 313                        |          |

| Bibelstelle         | Text-Überschrift                               | Kenn-<br>Ziffer<br>Bibel-<br>fliese | Fli.-<br>Bi<br>AT<br>S. | AK<br>S. | BiBi<br>Bd./S.  | Pl. S.            | KK<br>S. |
|---------------------|--|-------------------------------------|-------------------------|----------|-----------------|-------------------|----------|
| Richter 4, 20-21    | Jaël tötet Sisera                              | O 130                               | 268                     |          |                 | 313               |          |
| Richter 4, 22       | Jaël zeigt den getöteten Sisera                | O 131                               | 268                     |          |                 | 313               |          |
| Richter 6, 20-21    | Gideon und der Engel                           | O 132                               | 270                     |          |                 | 313               | 82       |
| Richter 6, 36-37    | Gideons Vlies                                  | O 133                               | 271                     |          |                 | 314               |          |
| Richter 6, 38       | Gideon wringt das Vlies aus                    | O 134                               | 271                     |          |                 | 314               |          |
| Richter 7, 5-6      | Gideon lässt das Volk bis zum Wasser hinab...  | O 135                               | 272                     |          |                 | 314               |          |
| Richter 7, 19+20    | Gideons nächtlicher Überfall                   | O 136                               |                         |          |                 | 315               |          |
| Richter 11, 1-2     | Die Verstoßung von Jiftach                     | O 137                               | 277                     |          |                 | 315               |          |
| Richter 11, 14-15   | Jiftachs Boten bei dem König von Ammon         | O 138                               | 278                     |          |                 | 316               |          |
| Richter 11, 32      | Jiftachs Kampf gegen die Ammoniter             | O 139                               | 279                     |          |                 | 317               |          |
| Richter 11, 34-35   | Jiftachs Heimkehr                              | O 140                               | 279                     |          | 15/32,<br>15/33 | 317<br>201<br>216 |          |
| Richter 11, 36-38   | Die Bitte von Jiftachs Tochter                 | O 141                               | 280                     |          |                 | 319               |          |
| Richter 11, 39      | Jiftachs Tochter wird geopfert                 | O 142                               | 280                     |          |                 | 319               |          |
| Richter 13, 19-20   | Manoachs Opfer                                 | O 143                               | 281                     |          |                 | 319               |          |
| Richter 14, 6       | Simson zerreißt einen Löwen                    | O 144                               | 282                     | 31       | 6/13            | 320<br>179<br>194 | 84       |
| Richter 14, 18      | Simsons Rätsel wird gelöst                     | O 145                               | 283                     |          |                 | 321               |          |
| Richter 15, 4-5     | Simson steckt das Korn in Brand                | O 146                               | 283                     |          | 10/13           | 322               |          |
| Richter 15, 14-15   | Simson erschlägt tausend Philister             | O 147                               | 284                     |          |                 | 322               | 86       |
| Richter 15, 17-19   | Simson bekommt Wasser zu trinken               | O 148                               | 284                     |          |                 | 322               |          |
| Richter 16, 3a      | Simson trägt die Türen...                      | O 149a                              | 285                     |          | 2/9             | 323               | 88       |
| Richter 16, 3b      | Simson legt die Türen auf den Gipfel ...       | O 149b                              | 285                     |          |                 | 323               |          |
| Richter 16, 18-19   | Delila lässt Simsons Haare abschneiden         | O 150                               | 286                     | 32       |                 | 324<br>194        |          |
| Richter 16, 28-30   | Simson lässt den Tempel v. Dagon einstürzen    | O 151                               | 287                     |          |                 | 325               |          |
| Richter 17, 3-6     | Der levitische Priester beim Abgottbild Michas | O 151a                              | 287                     |          |                 | 325               |          |
| Richter 21, 23      | Der Mädchenraub von Schilo                     | O 152                               | 293                     |          |                 | 325               |          |
| Rut 1, 15-17a       | Rut und Noomi                                  | O 153                               | 295                     |          | 16/15,<br>18/21 | 325               |          |
| Rut 2, 4-7          | Boas fragt seinen Knecht, wer Rut ist          | O 154                               | 296                     |          |                 | 326               |          |
| Rut 2, 8-9          | Boas nähert sich Rut                           | O 155                               | 296                     |          |                 | 326               |          |
| Rut 2, 10-11        | Rut kniet vor Boas                             | O 156                               | 297                     |          |                 | 326<br>196        |          |
| Rut 2, 15-16        | Rut wird von Boas bevorzugt                    | O 157                               |                         |          |                 | 327               |          |
| Rut 3, 6-7          | Rut bei Boas auf der Tenne                     | O 158                               | 298                     |          |                 | 327               |          |
| 1. Samuel 1, 7-8    | Elkana und seine beiden Frauen                 | O 159                               | 301                     |          |                 | 328               |          |
| 1. Samuel 2, 11     | Samuel als Tempeldiener bei Eli                | O 160                               | 303                     |          |                 | 328               |          |
| 1. Samuel 3, 16-18  | Eli fragt Samuel aus                           | O 161                               | 304                     |          |                 | 328               |          |
| 1. Samuel 4, 14-18  | Elis Tod                                       | O 162                               | 305                     |          |                 | 328               |          |
| 1. Samuel 5, 4      | Die Bundeslade bei den Philistern              | O 163                               | 306                     |          |                 | 329               |          |
| 1. Samuel 5,6       | Die Strafe für die Philister                   | O 164                               |                         |          |                 | 330               |          |
| 1. Samuel 6, 10-12  | Die Rückkehr der Bundeslade                    | O 165                               | 307                     |          |                 | 330               |          |
| 1. Samuel 9, 3      | Saul sucht die Eselinnen seines Vaters         | O 166                               | 309                     |          |                 | 331               | 90       |
| 1. Samuel 9, 17-20  | Samuel begrüßt Saul mit viel Ehrerbietung      | O 167                               | 310                     |          |                 | 331               |          |
| 1. Samuel 10, 1     | Samuel salbt Saul                              | O 168                               | 311                     |          |                 | 331               | 92       |
| 1. Samuel 15, 18-19 | Samuel bestraft Saul                           | O 169                               | 318                     |          | 11/15           | 332               |          |
| 1. Samuel 15, 27-28 | Von Samuels Mantel wird ein Zipfel ...         | O 170                               | 318                     |          |                 | 332               |          |

| Bibelstelle         | Text-Überschrift                               | Kenn-<br>Ziffer<br>Bibel-<br>fliese | Fli.-<br>Bi<br>AT<br>S. | AK<br>S. | BiBi<br>Bd./S.  | Pl. S.              | KK<br>S. |
|---------------------|--|-------------------------------------|-------------------------|----------|-----------------|---------------------|----------|
| 1. Samuel 15, 32-33 | Samuel tötet Agag                              | O 171                               | 319                     |          |                 | 332                 | 94       |
| 1. Samuel 16, 12-13 | David wird zum König gesalbt                   | O 172                               | 320                     |          |                 | 333                 |          |
| 1. Samuel 17, 34-36 | David prahlt mit seinem Mut                    | O 173                               | 322                     |          |                 | 333                 |          |
| 1. Samuel 17, 48-50 | David und Goliat                               | O 174                               | 322                     |          |                 | 334<br>185<br>188   |          |
| 1. Samuel 17, 51    | David schlägt Goliat den Kopf ab               | O 175                               | 323                     |          |                 | 334                 | 96       |
| 1. Samuel 17, 54    | David mit dem Haupt von Goliat                 | O 176                               | 323                     |          |                 | 335                 |          |
| 1. Samuel 18, 6-7   | Davids Sieg wird mehr gefeiert als der v. Saul | O 177                               | 324                     |          |                 | 335                 |          |
| 1. Samuel 18, 10    | David spielt vor Saul...                       | O 178                               | 324                     |          | 15/12           | 335                 |          |
| 1. Samuel 18, 11    | Saul wirft mit dem Speer nach David            | O 179                               | 325                     |          | 15/13           | 336                 |          |
| 1. Samuel 20, 16-17 | Der Bund zwischen David und Jonatan            | O 180                               | 327                     |          |                 | 336                 |          |
| 1. Samuel 20, 35-36 | Jonatan schießt einen Pfeil ab                 | O 181                               | 328                     |          | 2/13            | 336<br>768.3        |          |
| 1. Samuel 20, 41-42 | David und Jonatan verabschieden sich           | O 182                               | 328                     |          |                 | 337                 |          |
| 1. Samuel 21, 10    | David bekommt vom Priester Ahimelech ...       | O 183                               | 329                     | 33       |                 | 337                 |          |
| 1. Samuel 24, 11-12 | David schont Sauls Leben                       | O 184                               | 332                     | 34       |                 | 337                 |          |
| 1. Samuel 25, 23-25 | Abigajil und David                             | O 185                               | 333                     |          | 17/15           | 338<br>187<br>768.7 |          |
| 1. Samuel 26, 12    | David nimmt Saul Speer und Krug weg            | O 186                               | 335                     |          |                 | 338                 |          |
| 1. Samuel 26, 22    | David zeigt Saul Speer und Krug                | O 187                               |                         |          |                 | 339                 |          |
| 1. Samuel 28, 12-14 | Saul bei der Hexe von Endor                    | O 188                               | 337<br>NT<br>446        |          | 16/17           | 339                 |          |
| 1. Samuel 31, 4-5   | Sauls Tod                                      | O 189                               | 340                     |          |                 | 339                 |          |
| 2. Samuel 3, 27     | Joab und Abischai töten Abner                  | O 190                               | 344                     |          |                 | 339                 |          |
| 2. Samuel 5, 3      | David wird zum König über ganz Israel gesalbt  | O 191                               | 346                     |          |                 | 340<br>768.4        |          |
| 2. Samuel 11, 2-4a  | Batseba  | O 192                               | 351                     |          | 10/15           | 340                 | 98       |
| 2. Samuel 12, 7-9   | Natan bestraft David                           | O 193                               | 352<br>610              |          |                 | 341                 |          |
| 2. Samuel 12, 16-17 | Davids Gebet                                   | O 194                               | 353                     |          |                 | 342                 |          |
| 2. Samuel 13, 9b-12 | Amnon und Tamar                                | O 195                               | 354                     |          | 10/17,<br>16/19 | 342                 |          |
| 2. Samuel 14, 4-5   | Die Frau aus Tekoa bei David                   | O 196                               | 356                     |          |                 | 342                 |          |
| 2. Samuel 16, 5b-7  | Schimi verflucht David                         | O 197                               | 359                     |          |                 | 342                 |          |
| 2. Samuel 18, 9     | Absalom bleibt in einem Baum hängen            | O 198                               | 362                     |          |                 | 343                 |          |
| 2. Samuel 18, 14-15 | Absaloms Tod                                   | O 199                               | 362                     |          |                 | 343                 |          |
| 2. Samuel 20, 9-10a | Joab tötet Amasa                               | O 200                               | 366                     |          |                 | 344                 |          |
| 2. Samuel 24, 16-17 | Davids Schuldbekennnis                         | O 201                               | 371                     |          |                 | 344                 |          |
| 1. Könige 1, 28-31  | David bestätigt Salomo als Thronfolger         | O 202                               |                         |          |                 | 344                 |          |
| 1. Könige 2, 20-21  | Batseba übermittelt die Bitte von Adonija      | O 203                               | 376                     |          |                 | 344                 |          |
| 1. Könige 3, 25-27  | Salomos Urteil                                 | O 204                               | 378                     |          | 11/17           | 345<br>768.2        |          |
| 1. Könige 6, 7      | Salomos Tempelbau                              | O 205                               | 381                     |          |                 | 348                 |          |
| 1. Könige 8, 22-23  | Die Einweihung des Tempels                     | O 206                               | 384                     |          |                 | 348                 |          |
| 1. Könige 10, 1-2   | Die Königin von Saba zu Besuch bei Salomo      | O 207                               | 387                     |          |                 | 349                 |          |
| 1. Könige 11, 5-8   | Salomos Abgötterei                             | O 208                               | 389                     |          |                 | 349                 |          |
| 1. Kön. 11, 29c-31  | Jerobeam begegnet dem Propheten Ahija          | O 209                               | 390                     |          |                 | 349<br>187          |          |

| Bibelstelle         | Text-Überschrift                               | Kenn-<br>Ziffer<br>Bibel-<br>fliese | Fli.-<br>Bi<br>AT<br>S. | AK<br>S. | BiBi<br>Bd./S.         | Pl. S.  | KK<br>S. |
|---------------------|--|-------------------------------------|-------------------------|----------|------------------------|---|----------|
| 1. Könige 12, 6-7   | Rehabeam bei den alten Beratern                | O 210                               | 391                     |          |                        | 350   |          |
| 1. Könige 13, 4     | Jerobeams Abgötterei                           | O 211                               |                         |          |                        | 350   |          |
| 1. Kön. 13, 23-24a  | Der Prophet v. Juda wird von einem Löwen ...   | O 212                               | 394                     | 35       |                        | 351   |          |
| 1. Könige 13, 24b   | Der Löwe und der Esel bei der Leiche des ...   | O 213                               | 394                     |          |                        | 351   |          |
| 1. Könige 14, 7-12  | Das Urteil über Jerobeams Haus                 | O 214                               | 395                     |          |                        | 351   |          |
| 1. Könige 17, 1     | Elijas Nachricht an Ahab                       | O 215                               | 399                     |          |                        | 352   |          |
| 1. Könige 17, 6     | Elija wird von den Raben ernährt               | O 216                               | 399                     | 36       | 6/15,<br>8/13,<br>9/11 | 352<br>174<br>183<br>190<br>207<br>768.3<br>768.4 | 100      |
| 1. Könige 17, 10    | Elija und die Witwe von Sarepta                | O 217                               | 399                     |          |                        | 353<br>186<br>768.5                               |          |
| 1. Könige 17, 19-20 | Elija und der tote Sohn der Witwe              | O 218                               | 400                     |          |                        | 354   |          |
| 1. Könige 17, 23-24 | Elija gibt der Witwe den auferweckten Sohn ... | O 219                               | 400                     |          |                        | 354   |          |
| 1. Könige 18, 17-18 | Elija beschuldigt Ahab der Abgötterei          | O 220                               | 401                     |          |                        | 355   |          |
| 1. Könige 18, 27-28 | Elija und die Propheten von Baal               | O 221                               | 402                     |          |                        | 355   |          |
| 1. Könige 18, 37-38 | Elijas Gebet wird mit Feuer beantwortet        | O 222                               | 402                     |          | 11/19                  | 355   |          |
| 1. Könige 18, 44    | Elija wartet auf Regen                         | O 223                               | 403                     |          |                        | 356   |          |
| 1. Könige 19, 5-6a  | Der Engel weckt Elija                          | O 224                               | 403                     | 37       | 18/23                  | 356<br>197<br>768.5                               | 102      |
| 1. Kön. 21, 20b-24  | Elija begegnet Ahab beim Weinberg von Nabot    | O 225                               | 407                     |          |                        | 357   |          |
| 1. Könige 22, 34-35 | Der Tod von Ahab                               | O 226                               | 409                     |          |                        | 357   |          |
| 2. Könige 1, 15     | Elija und die Boten von König Ahjasja          | O 227                               | 412                     |          |                        | 357   |          |
| 2. Könige 2, 11     | Elijas Himmelfahrt                             | O 228                               | 412                     |          | 14/17                  | 357<br>184<br>768.1<br>768.2                      | 104      |
| 2. Könige 2, 13-15a | Elischa schlägt mit Elijas Mantel auf das ...  | O 229                               | 413                     |          |                        | 359   |          |
| 2. Könige 2, 19-22  | Elischa macht das Wasser in Jericho gesund     | O 230                               | 413                     |          |                        | 359   |          |
| 2. Könige 2, 23-24a | Elischa wird von den Kindern von Bet-El ...    | O 231                               | 414                     |          |                        | 359   |          |
| 2. Könige 2, 24b    | Die Bären zerreißen die Kinder von Bet-El      | O 232                               | 414                     |          |                        | 360   |          |
| 2. Könige 4, 1-2    | Eine arme Witwe bittet Elischa um Hilfe        | O 233                               | 416                     |          |                        | 360   |          |
| 2. Könige 4, 5-6    | Das Öl der Witwe wird vermehrt                 | O 234                               | 416                     |          |                        | 361   |          |
| 2. Könige 5, 14     | Naaman wird durch Baden im Jordan geheilt      | O 235                               | 419                     |          | 17/9                   | 361   |          |
| 2. Könige 9, 32-33  | Der Tod von Isebel                             | O 236                               | 425                     |          |                        | 361   |          |
| 2. Könige 9, 35-36  | Die Überreste von Isebel                       | O 237                               | 425                     |          |                        | 362   |          |
| 2. Könige 11, 20    | Joasch wird von Joscheba gerettet              | O 238                               | 428                     |          |                        | 362   |          |
| 2. Könige 12, 19    | Secharja wird gesteinigt                       | O 239                               | 429                     |          |                        | 362   |          |
| 2. Könige 13, 15-17 | Joasch an Elischas Sterbebett                  | O 240                               | 430                     |          |                        | 363   |          |
| 2. Könige 13, 20-21 | Ein Toter wird wieder lebendig                 | O 241                               | 431                     |          |                        | 363   |          |
| 2. Könige 18, 3-4a  | Hiskija zerstört die Götzenheiligtümer         | O 242                               | 437                     |          |                        | 363   |          |
| 2. Könige 18, 4b    | Hiskija lässt die Kupferschlange zerschlagen   | O 243                               | 437                     | 38       |                        | 364   |          |
| 2. Könige 19, 35-36 | Sanheribs Heer wird von einem Engel ...        | O 244                               | 440                     |          |                        | 364   |          |
| 2. Könige 20, 1-3   | Hiskijas Krankheit                             | O 245                               | 441                     |          |                        | 364   |          |
| 2. Könige 20, 9-11  | Das Zeichen des Herrn von Hiskijas Heilung     | O 246                               | 441                     |          |                        | 364   |          |

| Bibelstelle                   | Text-Überschrift   | Kenn-<br>Ziffer<br>Bibel-<br>fliese | Fli.-<br>Bi<br>AT<br>S. | AK<br>S. | BiBi<br>Bd./S. | Pl. S.            | KK<br>S. |
|-------------------------------|--|-------------------------------------|-------------------------|----------|----------------|-------------------|----------|
| 2. Könige 21, 17              | Manasse demütigt sich  | O 247                               | 443                     |          |                | 364               |          |
| 2.Könige 22,8-10              | König Joschija liest das wiedergefundene...                    | O 248                               |                         |          |                | 364               |          |
| Nehemia 4, 9                  | Wiederaufbau der Tore und der Stadtmauer ...                   | O 249                               | 533                     |          |                | 365<br>768.5      |          |
| Nehemia 4, 10-12              | Die Fortsetzung des Wiederaufbaus der<br>Stadtmauer Jerusalems | O 250                               | 533<br>NT<br>447        |          |                | 365<br>768.10     |          |
| Nehemia 8, 16-17              | Das Laubhüttenfest   | O 251                               | 537                     |          |                | 365               |          |
| Ester 5, 1-2                  | Ester erscheint ungerufen vor König<br>Artaxerxes              | O 252                               | 548                     |          |                | 366<br>178<br>204 |          |
| Ester 6, 1-3                  | König Artaxerxes lässt sich aus den Chroniken ...              | O 253                               | 549                     |          |                | 366               |          |
| Ester 6, 11                   | Haman lässt Mordechai über den Platz reiten                    | O 254                               | 550                     |          |                | 366               |          |
| Ester 7, 4                    | Hamans List entdeckt   | O 254a                              | 550                     |          |                |                   |          |
| Ester 8, 2-4                  | Artaxerxes begünstigt Ester und Mordechai                      | O 255                               | 551                     |          |                | 367               |          |
| Ijob 1, 4                     | Das Festmahl von Ijobs Söhnen                                  | O 256                               | 555                     |          |                | 368               |          |
| Ijob 1, 5                     | Ijobs Brandopfer   | O 257                               | 555                     |          |                | 368               |          |
| Ijob 1, 13-17                 | Ijobs Schicksalsschläge  | O 258                               | 556                     |          |                | 368               |          |
| Ijob 2, 7-10                  | Ijob wird vom Satan mit Geschwüren ...                         | O 259                               | 557                     |          |                | 368               |          |
| Ijob 2, 11-13                 | Ijob und seine Freunde   | O 260                               | 557                     | 39       |                | 370               |          |
| Ijob 42, 8b-9                 | Ijob legt Fürbitte für seine drei Freunde ein                  | O 261                               | 580                     |          |                | 371               |          |
| Ijob 42, 10-11                | Ijob wird aufs Neue geehrt                                     | O 262                               | 580                     |          |                | 371<br>191        |          |
| Psalm                         | König David als Psalmdichter                                   | O 263                               | 584                     |          | 15/11          | 371<br>204<br>219 |          |
| Psalm 37, 14-15               | Der Gottlose und der Aufrechte                                 | O 264                               | 601                     |          |                | 373               |          |
| Sprüche 22, 26-27             | Der gefühllose Gläubiger                                       | O 265                               | 681                     |          |                | 373               |          |
| Das Hohelied Salom            | Das Hohelied Salomos   | O 266                               | 702                     |          |                | 373               |          |
| Hohelied 2,7                  | Wechselgesang zwischen Braut u. Bräutigam                      | O 267                               |                         |          |                | 373               |          |
| Jesaja 6, 1-7                 | Die Berufung von Jesaja  | O 268                               | 711                     |          |                | 374               |          |
| Jeremia 1, 11-14              | Die Berufung von Jeremia                                       | O 269                               | 763                     | 40       |                | 374               |          |
| Jeremia 21, 3-5               | Jeremia sagt d. Verwüstung von Jerusalem ...                   | O 270                               | 786                     |          |                | 374               |          |
| Jeremia 28, 10-11             | Hananja zerbricht Jeremias Joch                                | O 271                               | 794                     |          |                | 374               |          |
| Jeremia 38. 1-6               | Gefangennahme von Jeremia                                      | O 272                               |                         |          |                | 374               |          |
| Jeremia 38, 12-13             | Jeremia wird aus der Zisterne gerettet                         | O 273                               | 807                     |          |                | 375               |          |
| Jeremia 38, 17-18             | Jeremias zweites Gespräch mit Zidkija                          | O 274                               | 807                     |          |                | 375               |          |
| Ezechiël 1, 15-16;<br>2, 9-10 | Ezechiëls Vision   | O 275                               | 835                     |          |                | 375               |          |
| Ezechiël 24, 16b-17           | Ezechiël verbietet dem Volk die Totentrauer                    | O 276                               | 859                     |          |                | 375               |          |
| Ezechiël 37, 7-8              | Ezechiël im Tal der dürrn Totengebeine                         | O 277                               | 872                     |          | 13/15          | 375               |          |
| Daniel 1, 12-15               | Daniel und seine drei Freunde am...                            | O 278                               | 887                     |          |                | 376               |          |
| Daniel 1, 18-19               | Daniel u.seine drei Freunde vor<br>Nebukadnezzar               | O 279                               | 888                     |          |                | 376               |          |
| Daniel 2, 31-34               | Daniel erklärt den Traum von Nebukadnezzar                     | O 280                               | 889                     |          |                | 376               |          |
| Daniel 3, 3-6                 | Das goldene Standbild von Nebukadnezzar                        | O 281                               | 890                     |          | 15/35          | 376               |          |
| Daniel 3, 24-25               | Die drei jungen Männer im Feuerofen                            | O 282                               | 891                     |          |                | 377               |          |
| Daniel 4, 30                  | Nebukadnezzar wird verstoßen                                   | O 283                               | 892                     |          |                | 377<br>768.3      |          |
| Daniel 5, 5                   | Die Schrift an der Wand  | O 284                               | 894                     |          |                | 378               |          |
| Daniel 6, 11-12               | Daniel wird im Gebet gefunden                                  | O 285                               | 895                     |          |                | 378               |          |

| Bibelstelle       | Text-Überschrift                                 | Kenn-<br>Ziffer<br>Bibel-<br>fliese | Fli.-<br>Bi<br>AT<br>S. | AK<br>S. | BiBi<br>Bd./S.                  | Pl. S.            | KK<br>S. |
|-------------------|--|-------------------------------------|-------------------------|----------|---------------------------------|-------------------|----------|
| Daniel 6, 20-23   | Daniel in der Löwengrube                         | O 286                               | 896                     |          | 6/17                            | 378<br>174        |          |
| Daniel 7, 2-3     | Daniels Traumgesicht von den vier Tieren         | O 287                               | 897                     |          |                                 | 380               |          |
| Jona 1, 2-3a      | Jonas Berufung und Flucht                        | O 288                               | 929                     |          | 18/25                           | 380               |          |
| Jona 1, 15-16     | Jona wird in das Meer geworfen                   | O 289                               | 930                     |          | 14/19                           | 380<br>768.2      |          |
| Jona 2,11         | Jona wird an Land gespien                        | O 290                               | 930                     |          | 3/17,<br>5/21,<br>6/19.<br>9/13 | 381               | 106      |
| Jona 3, 3-4       | Jona predigt in Ninive                           | O 291                               | 931                     |          | 17/13                           | 382               |          |
| Jona 4, 5-6       | Jona und der Wunderbaum                          | O 292                               | 931                     |          |                                 | 382<br>205        |          |
| Sacharja 6, 1-6   | Das achte Gesicht von Sacharja - die vier ...    | O 293                               | 956                     |          |                                 | 383               |          |
|                   | Die Propheten Jesaja, Jeremia und Ezechiël       | O 294                               | 966                     |          |                                 | 383               |          |
|                   | Die Propheten David, Daniel und Elija            | O 295                               | 966                     |          |                                 | 384               |          |
|                   | Die Propheten Elischa, Jona und Obadja           | O 296                               | 966                     |          |                                 | 384<br>181        |          |
|                   | Die Propheten Amos, Sacharja und Maleachi        | O 297                               | 966                     |          |                                 | 384               |          |
| Tobit 1, 3        | Tobit erzählt seinen Lebenslauf                  | O 298                               | 969                     |          |                                 | 384               |          |
| Tobit 2, 9-10a    | Tobit wird blind                                 | O 299                               | 971                     |          |                                 | 384<br>768.4      |          |
| Tobit 5, 17       | Tobias ist reisefertig                           | O 300                               | 975                     |          |                                 | 385               |          |
| Tobit 6, 1-3      | Tobias fängt einen großen Fisch                  | O 301                               | 975                     | 41       | 1/21                            | 385<br>768.6      | 108      |
| Tobit 6, 4-5      | Tobias und der Engel unterwegs                   | O 302                               | 976                     | 42       | 1/23,<br>9/15                   | 386<br>768.1      | 110      |
| Tobit 8, 1-4      | Tobias und Sara im Brautgemach                   | O 303                               | 978                     |          |                                 | 387               |          |
| Tobit 11, 10-13   | Tobit kann wieder sehen                          | O 304                               | 981                     |          |                                 | 389               |          |
| Tobit 12, 16-21   | Rafael verlässt Tobit und die Seinen             | O 305                               | 982                     |          |                                 | 390               |          |
| Judit 2, 4-6      | Nebukadnezzar sendet Holofernes aus              | O 306                               | 986<br>NT<br>448        |          |                                 | 391               |          |
| Judit 10, 22-23   | Judit wird von Holofernes empfangen              | O 307                               | 994                     |          |                                 | 391               |          |
| Judit 13, 7-8     | Judit enthauptet Holofernes                      | O 308                               | 998                     |          | 10/19                           | 391               | 112      |
| Judit 13, 9-10a   | Judit steckt den Kopf v. Holofernes in einen ... | O 309                               | 998                     |          |                                 | 391<br>204        |          |
| 1. Makk. 2, 23-24 | Mattatias tötet einen jüdischen Götzendiener     | O 319                               | 1006                    |          |                                 | 400               |          |
| DanZ (B) 19-21    | Susanna wird v. den beiden Ältesten bedrängt     | O 310                               | 1041                    | 43       |                                 | 392<br>191        |          |
| DanZ (B) 45-48    | Daniel ficht das Urteil über Susanna an          | O 311                               | 1042                    |          |                                 | 395               |          |
| DanZ (B) 61-62    | Die Ankläger von Susanna werden gesteinigt       | O 312                               | 1043                    |          |                                 | 396<br>768.2      | 114      |
| DanZ (C) 6-9      | Daniel mit dem König in Bels Tempel              | O 313                               | 1043                    |          |                                 | 398               |          |
| DanZ (C) 13-14    | Bels Tempelboden wird mit Asche bestreut         | O 314                               | 1044                    |          |                                 | 398<br>192<br>205 |          |
| DanZ (C) 15       | Die Priester bei Nacht in Bels Tempel            | O 315                               | 1044                    | 44       |                                 | 399               |          |
| DanZ (C) 16-20    | Der Betrug von Bels Priestern wird entdeckt      | O 316                               | 1045                    |          |                                 | 399               |          |
| DanZ (C) 22       | Daniel zerstört Bel und seinen Tempel            | O 317                               | 1045                    |          |                                 | 399               |          |
| DanZ (C) 23-27    | Der Drache von Babylon                           | O 318                               | 1045                    |          |                                 | 400               |          |

| Bibelstelle       | Text-Überschrift                                | Kenn-Ziffer<br>Bibel-<br>fliese | Fli.-<br>Bi<br>NT<br>S. | AK<br>S. | BiBi<br>Bd./S.                            | Pl. S.                            | KK<br>S. |
|-------------------|---|---------------------------------|-------------------------|----------|---|-----------------------------------|----------|
|                   | Der Evangelist Matthäus                         | N 1                             | 3                       |          |   | 400<br>180                        |          |
| Matthäus 1, 18-20 | Ein Engel erscheint Josef                       | N 9                             | 4                       |          | 7/9                                       | 405                               |          |
| Matthäus 2, 7-8   | Die Weisen fragen Herodes nach dem ...König     | N 15                            | 4                       | 47       | 7/23                                      | 411                               |          |
| Matthäus 2, 9     | Die Weisen auf dem Wege nach Betlehem           | N 16                            | 4                       |          | 7/25,<br>9/17                             | 411                               | 120      |
| Matthäus 2, 11    | Die Anbetung der Weisen                         | N 17                            | 5, 2                    | 48       | 7/27                                      | 412                               |          |
| Matthäus 2, 13    | Die zweite Erscheinung eines Engels bei Josef   | N 20                            | 5                       |          |   | 413                               |          |
| Matthäus 2, 14    | Die Flucht nach Ägypten                         | N 21                            | 6<br>449                | 49       | 5/25,<br>6/23,<br>7/33,<br>9/19,<br>18/27 | 413<br>182<br>768.4<br>768.7      |          |
| Matthäus 2, 14    | Ruhe auf der Flucht nach Ägypten                | N 22                            | 6                       |          | 14/23,<br>18/29                           | 416                               |          |
| Matthäus 2, 16    | Der Kindermord in Betlehem                      | N 23                            | 6                       |          | 5/27,<br>7/35,<br>13/17                   | 416                               |          |
| Matthäus 2, 19-21 | Die Rückkehr aus Ägypten                        | N 24                            | 234                     |          |   | 417                               |          |
| Matthäus 3, 16    | Die Taufe Jesu im Jordan                        | N 27                            | 7                       | 51       | 3/19,<br>6/25,<br>8/17                    | 419                               | 122      |
| Matthäus 4, 3     | Die Versuchung in der Wüste                     | N 28                            | 8                       | 52       | 11/21                                     | 420<br>183<br>188<br>195          | 124      |
| Matthäus 4, 8-10  | Die Versuchung auf dem Berge                    | N 29                            | 8                       |          |   | 421                               |          |
| Matthäus 4, 11    | Jesus wird von Engeln bedient                   | N 30                            | 8                       |          |   | 421                               |          |
| Matthäus 4, 18    | Jesus sieht Simon und Andreas das Netz ...      | N 31                            | 9                       |          | 3/21                                      | 421                               |          |
| Matthäus 4, 19-20 | Die Berufung der ersten Jünger - Simon ...      | N 32                            | 9                       |          | 3/23                                      | 422<br>190                        |          |
| Matthäus 4, 21-22 | Die Berufung der ersten Jünger - Johannes ...   | N 33                            | 9                       |          |   | 422                               |          |
| Matthäus 4, 17    | Das erste Auftreten von Jesus                   | N 37                            | 8                       |          |   | 426                               |          |
| Matthäus 5, 1-3   | Die Bergpredigt                                 | N 40                            | 10                      |          | 12/11                                     | 427<br>768.4                      |          |
| Matthäus 7, 3     | Der Splitter und der Balken                     | N 77                            | 13                      | 66       |   | 448<br>182<br>188<br>208<br>768.7 | 132      |
| Matthäus 7, 13-14 | Der breite und der schmale Weg                  | N 78                            | 14                      |          |   | 449                               |          |
| Matthäus 7, 17    | An den Früchten erkennt man den Baum            | N 79                            | 14                      |          |   | 449                               |          |
| Matthäus 8, 5-8   | Die Heilung des Dieners des Hauptmanns zu ...   | N 138                           | 15                      | 77       | 8/21,<br>17/25                            | 478<br>185                        | 148      |
| Matthäus 8, 23-27 | Jesus stillt den Sturm auf dem See              | N 140                           | 16                      | 78       | 3/25,<br>14/27                            | 480<br>160                        | 150      |
| Matthäus 8, 30-33 | Die beiden Besessenen von Gadara werden geheilt | N 141                           | 16                      |          |   | 481<br>189                        |          |

| Bibelstelle        | Text-Überschrift                                     | Kenn-Ziffer<br>Bibel-<br>fliese | Fli.-<br>Bi<br>NT<br>S. | AK<br>S. | BiBi<br>Bd./S.                      | Pl. S.                | KK<br>S. |
|--------------------|--|---------------------------------|-------------------------|----------|-------------------------------------|-----------------------|----------|
| Matthäus 9, 9      | Die Berufung von Matthäus                            | N 38                            | 17                      |          |                                     | 426                   |          |
| Matthäus 9, 20-22  | Die Heilung der blutflüssigen Frau                   | N 142                           | 18<br>452               | 79       | 11/29,<br>12/31,<br>16/27,<br>17/27 | 481<br>178<br>768.2   | 152      |
| Matthäus 9, 27-31  | Die Heilung von zwei Blinden                         | N 144                           | 18                      | 80       | 17/29                               | 484                   |          |
| Matthäus 9, 32-33a | Die Heilung eines Besessenen                         | N 145                           | 19                      |          | 17/31                               | 485                   |          |
| Matthäus 10, 5-7   | Die Aussendung der zwölf Apostel                     | N 48                            | 19                      | 57       | 12/13                               | 432                   |          |
| Matthäus 10, 30-31 | Jesus ermutigt die Apostel                           | N 55                            | 20                      |          |                                     | 438                   |          |
| Matthäus 11, 2-3   | Johannes sendet seine Jünger zu Jesus                | N 41                            | 21                      |          |                                     | 428                   |          |
| Matthäus 11, 3-6   | Die Heilung eines Tauben                             | N 152                           | 21                      |          | 17/33                               | 492<br>181            |          |
| Matthäus 12, 1-4   | Die Jünger pflücken Ähren am Sabbat                  | N 39                            | 23                      |          |                                     | 427                   |          |
| Matthäus 12, 12-14 | Die Heilung des Mannes mit der verdorrten Hand       | N 137                           | 23                      |          | 17/23                               | 478<br>768.3          |          |
| Matthäus 13, 2     | Jesus predigt von einem Schiff aus                   | N 47                            | 25                      |          |                                     | 432                   |          |
| Matthäus 13, 3b-4  | Der Sämann   | N 80                            | 25                      |          | 9/23                                | 450                   |          |
| Matthäus 13, 25    | Das Unkraut unter dem Weizen                         | N 81                            | 26                      |          |                                     | 450                   |          |
| Matthäus 13, 32    | Das Senfkorn   | N 82                            | 26                      |          |                                     | 451                   |          |
| Matthäus 13, 33    | Der Sauerteig  | N 83                            | 27                      |          |                                     | 451                   |          |
| Matthäus 13, 44    | Der Schatz, der im Acker verborgen ist               | N 84                            | 27                      |          |                                     | 451<br>182            |          |
| Matthäus 13, 45-46 | Die kostbare Perle                                   | N 85                            | 28                      |          |                                     | 451                   |          |
| Matthäus 13, 47-49 | Das Fischnetz  | N 86                            | 28                      |          |                                     | 452                   |          |
| Matthäus 14, 6-7   | Salome tanzt vor Herodes                             | N 42                            | 29                      |          | 2/17,<br>15/30                      | 428<br>179            |          |
| Mt. 14, 15-20a     | Die Speisung der Fünftausend                         | N 146                           | 29                      |          |                                     | 486                   | 154      |
| Matthäus 14, 28-31 | Jesus, der über den See von Galiläa geht, rettet ... | N 148                           | 30                      | 82       | 3/27                                | 488<br>190<br>768.3   |          |
| Matthäus 15, 24-28 | Die kanaanäische Frau                                | N 149                           | 31                      | 83       | 16/29                               | 491                   |          |
| Matthäus 15, 14    | Ein Blinder wird von einem Blinden geführt           | N 87                            | 31                      |          |                                     | 452                   |          |
| Matthäus 16, 18-19 | Jesus überreicht Petrus die Schlüssel                | N 49                            | 33                      | 58       | 8/23                                | 432<br>768.6<br>768.7 |          |
| Matthäus 17, 1-3   | Die Verklärung auf dem Berge                         | N 53                            | 33<br>360<br>451        |          |                                     | 434                   |          |
| Matthäus 17, 27    | Petrus findet eine Silbermünze im Maul eines ...     | N 153                           | 34                      |          |                                     | 492                   |          |
| Matthäus 18, 1-3   | Jesus stellt das Kind als Vorbild hin                | N 60                            | 35                      |          | 5/31                                | 441                   |          |
| Matthäus 18, 25-27 | Der unbarmherzige Gläubiger – die ...                | N 90                            | 36                      | 68       |                                     | 456                   |          |
| Matthäus 18, 28    | Die Kleinlichkeit des Knechts                        | N 91a                           | 36                      |          |                                     | 456                   |          |
| Matthäus 18, 32    | Die Kleinlichkeit des Knechts wird bestraft          | N 91b                           | 37                      |          |                                     | 456                   |          |
| Matthäus 19, 13-14 | Jesus segnet die Kinder                              | N 61                            | 37                      |          | 5/33                                | 441                   |          |
| Matthäus 19, 21-22 | Der reiche Jüngling                                  | N 62                            | 38                      |          |                                     | 442                   |          |
| Matthäus 20, 1-2   | Die Arbeiter im Weinberg - ein Herr wirbt ...        | N 116                           | 39                      |          |                                     | 471                   |          |
| Matthäus 20, 8-9   | Die Arbeiter empfangen ihren Lohn                    | N 117                           | 39                      |          |                                     | 471                   |          |
| Matthäus 20, 20-21 | Die Mutter der Söhne des Zebedäus                    | N 63                            | 40                      |          | 8/25                                | 442<br>768.6          |          |
| Matthäus 21, 28-30 | Die zwei ungleichen Söhne                            | N 118                           | 42                      |          |                                     | 471                   |          |

| Bibelstelle         | Text-Überschrift                                 | Kenn-Ziffer<br>Bibel-<br>fliese | Fli.-<br>Bi<br>NT<br>S. | AK<br>S. | BiBi<br>Bd./S.                  | Pl. S.                            | KK<br>S. |
|---------------------|--|---------------------------------|-------------------------|----------|---------------------------------|-----------------------------------|----------|
| Matthäus 20, 29-34  | Die Blindenheilung bei Jericho                   | N 159                           | 40                      |          |                                 | 495<br>175                        |          |
| Matthäus 21, 8-9    | Der Einzug in Jerusalem                          | N 161                           | 41                      | 86       | 2/21,<br>4/5,<br>6/35,<br>15/21 | 496<br>2<br>768.15<br>768.5       |          |
| Matthäus 21, 12-13  | Jesus vertreibt die Händler aus dem Tempel       | N 162                           | 41                      |          | 4/7                             | 498                               | 158      |
| Matthäus 21, 19     | Die Verfluchung des Feigenbaumes                 | N 163                           | 42                      |          |                                 | 498                               | 160      |
| Matthäus 21, 37-39  | Die ungerechten Winzer                           | N 119                           | 43                      |          | 10/27                           | 472                               |          |
| Matthäus 22, 13     | Der Gast ohne Hochzeitsgewand wird bestraft      | N 119a                          | 44                      |          |                                 | 472                               |          |
| Matthäus 22, 19-22  | Die Frage nach der kaiserlichen Steuer           | N 65                            | 44                      | 62       |                                 | 444<br>184                        |          |
| Matthäus 22, 36-40  | Die Frage nach dem wichtigsten Gebot             | N 66                            | 45                      |          |                                 | 444                               |          |
| Matthäus 23, 37     | Jesu Klage über Jerusalem                        | N 59                            | 47                      |          |                                 | 440                               |          |
| Matthäus 24, 1-2    | Jesus weissagt die Zerstörung des Tempels        | N 68                            | 47                      |          |                                 | 445                               |          |
| Matthäus 24, 28     | Das Aas und die Geier                            | N 69                            | 48                      |          |                                 | 445                               |          |
| Matthäus 24, 40     | Zwei Männer werden auf dem Acker sein            | N 120                           | 48                      |          |                                 | 472                               |          |
| Matthäus 24, 41     | Zwei Frauen werden mit der Mühle mahlen          | N 121                           | 49                      |          |                                 | 472                               |          |
| Matthäus 24, 43     | Der Dieb in der Nacht                            | N 97                            | 49                      |          |                                 | 459                               |          |
| Matthäus 25, 6      | Die zehn Jungfrauen beim Kommen des ...          | N 123                           | 50                      |          |                                 | 472                               |          |
| Matthäus 25, 7-10   | Die fünf klugen Jungfrauen werden ...            | N 124                           | 50                      |          |                                 | 4734<br>188<br>768.5              | 144      |
| Matthäus 25, 11-12  | Die fünf törichten Jungfrauen werden ....        | N 125                           | 51                      |          |                                 | 473                               |          |
| Matthäus 25, 14-18  | Die Talente - der dritte Diener vergräbt das ... | N 126                           | 51                      |          |                                 | 473                               |          |
| Matthäus 25, 19     | Die Talente - die Rückkehr des Herrn             | N 127                           | 51                      |          |                                 | 473<br>193                        |          |
| Matthäus 25, 20     | Die Talente - Rechenschaft ... mit den fünf ...  | N 128                           | 51                      |          |                                 | 474                               |          |
| Matthäus 25, 24-25  | Die Talente - Abrechnung ...mit dem einen ...    | N 129                           | 52                      |          |                                 | 474                               |          |
| Matthäus 25, 30     | Die Talente - der unnütze Diener wird bestraft   | N 130                           | 52                      |          |                                 | 474                               |          |
| Matthäus 25, 31-33  | Vom Weltgericht                                  | N 70                            | 52<br>398               |          |                                 | 445                               |          |
| Matthäus 25, 35a    | Die Werke der Barmherzigkeit: Das Speisen ..     | N 71                            | 52                      | 63       | 12/19                           | 446                               |          |
| Matthäus 25, 35b    | Das Tränken der Durstigen                        | N 72                            | 53                      | 64       |                                 | 446                               |          |
| Matthäus 25, 35c    | Das Beherbergen der Obdachlosen                  | N 73                            | 53                      |          | 12/21,<br>18/31                 | 447<br>191                        |          |
| Matthäus 25, 36a    | Das Kleiden der Nackten                          | N 74                            | 53                      |          | 12/23                           | 447                               |          |
| Matthäus 25, 36b    | Das Besuchen der Kranken                         | N 75                            | 53                      |          | 12/25                           | 447                               |          |
| Matthäus 25, 36c    | Das Besuchen der Gefangenen                      | N 76                            | 54                      | 65       | 12/27                           | 448                               |          |
| Matthäus 26, 6-9    | Die Salbung des Hauptes Jesu                     | N 165                           | 54                      |          | 14/29,<br>16/31                 | 500                               |          |
| Matthäus 26, 15     | Judas empfängt die dreißig Silberlinge           | N 166                           | 55                      |          |                                 | 501                               |          |
|                     |  | N 169                           |                         |          | 4/13                            | 503                               |          |
| Matthäus 26, 21. 25 | Das Abendmahl - Judas wird als der Verräter ...  | N 170                           | 55                      |          |                                 | 505                               | 166      |
| Matthäus 26, 39     | Jesu Gebet in Getsemani                          | N 172                           | 56                      |          | 4/15,<br>8/27<br>9/25,<br>11/35 | 506<br>181<br>182<br>187<br>768.4 | 168      |

| Bibelstelle        | Text-Überschrift  | Kenn-Ziffer Bibel-fliese | Fli.-Bi NT S. | AK S. | BiBi Bd./S.            | PI. S.                     | KK S. |
|--------------------|---|--------------------------|---------------|-------|------------------------|----------------------------|-------|
| Matthäus 26, 49    | Der Judaskuss   | N 174                    | 57            | 87    |                        | 507<br>175<br>192<br>768.2 |       |
| Matthäus 26, 50    | Die Gefangennahme Jesu                                      | N 175                    | 57            |       | 4/17                   | 508                        |       |
| Matthäus 26, 51    | Petrus schlägt Malchus ein Ohr ab                           | N 176                    | 57            | 88    |                        | 508                        |       |
| Matthäus 26, 64-66 | Jesus vor Kajaphas  | N 177                    | 58            |       | 4/19                   | 509                        |       |
| Matthäus 26, 75a   | Die Verleugnung durch Petrus                                | N 178                    | 58            |       | 10/29                  | 509                        | 170   |
| Matthäus 26, 75b   | Die Reue von Petrus   | N 179                    | 58            |       | 4/21,<br>9/27          | 510                        |       |
| Matthäus 27, 1-2   | Jesus wird vor Pilatus geführt                              | N 180                    | 59            |       |                        | 510                        |       |
| Matthäus 27, 3-5a  | Judas bringt die Silberlinge zurück                         | N 181                    | 59            |       |                        | 511                        |       |
| Matthäus 27, 5b    | Der Tod von Judas   | N 182                    | 59            |       | 4/23                   | 511                        |       |
| Matthäus 27, 19    | Die Frau des Pilatus spricht für Jesus                      | N 185                    | 60            |       |                        | 512                        |       |
| Matthäus 27, 29a   | Die Dornenkrönung   | N 187                    | 61            | 90    |                        | 515                        |       |
| Matthäus 27, 29b   | Die Verspottung bei Pilatus                                 | N 188                    | 61            |       |                        | 515                        | 174   |
| Matthäus 27, 24    | Pilatus wäscht seine Hände in Unschuld                      | N 190                    | 60            | 91    | 4/25,<br>10/31         | 516<br>768.5               |       |
| Mt 27, 31b-32      | Simon von Zyrene wird gezwungen, das Kreuz ...              | N 191                    | 61            | 92    | 4/27,<br>9/29          | 517<br>768.7               | 176   |
|                    | Kreuztragung, Kreuzweg                                      | N 192                    |               |       |                        | 518                        |       |
| Matthäus 27, 35    | 194 Die Soldaten werfen das Los über die ...                | N 194                    | 62            | 93    | 4/29                   | 519                        |       |
|                    |   | N 197                    |               |       |                        | 522                        |       |
| Matthäus 27, 48    | Jesus bekommt Essig zu trinken                              | N 198                    | 62            |       |                        | 526<br>768.5<br>768.7      |       |
| Matthäus 28, 2-4   | Die Auferstehung  | N 203                    | 63            | 95    | 8/29                   | 530<br>193<br>768.5        | 180   |
| Matthäus 28, 5-6   | Ein Engel teilt den Frauen mit, dass Jesus auferstanden ist | N 204                    | 63            | 96    | 1/33,<br>4/33<br>13/31 | 533<br>176                 | 182   |
| Matthäus 28, 9     | Jesus erscheint den Frauen                                  | N 206                    | 64            |       |                        | 535                        |       |
|                    | Der Evangelist Markus                                       | N 2                      | 65            |       |                        | 401                        |       |
| Markus 6, 27a      | Salome in Erwartung der Enthauptung von ...                 | N 43                     | 73            |       |                        | 429                        |       |
| Markus 6, 27b      | Die Enthauptung von Johannes dem Täufer                     | N 44                     | 73            | 55    |                        | 429                        |       |
| Markus 6, 28       | Der Henker gibt Salome das Haupt von Johannes               | N 45                     | 73            | 56    | 10/21                  | 430<br>173<br>209          |       |
| Markus 7, 32-35    | Die Heilung eines Taubstummen                               | N 150                    | 75            |       |                        | 491                        |       |
| Markus 8, 22-25    | Die Heilung eines Blinden in Betsaida                       | N 151                    | 76            |       |                        | 492                        |       |
| Markus 8, 32-33    | Jesus weist Petrus zurecht                                  | N 50                     | 77            |       |                        | 433                        |       |
| Markus 11, 4       | Die Jünger holen die Eselin                                 | N 160                    | 82            | 85    | 6/33                   | 496                        |       |
| Markus 12, 41-44   | Das Opfer der Witwe   | N 67                     | 85            |       |                        | 444                        |       |
|                    | Der Evangelist Lukas  | N 3                      | 94            |       |                        | 401<br>195                 |       |
| Lukas 1, 11        | Verkündigung der Geburt Johannes des Täufers ...            | N 5                      | 93            |       | 1/25,<br>7/5           | 402<br>183                 |       |

| Bibelstelle       | Text-Überschrift                              | Kenn-Ziffer<br>Bibel-<br>fliese | Fli.-<br>Bi<br>NT<br>S. | AK<br>S. | BiBi<br>Bd./S.                  | Pl. S.              | KK<br>S. |
|-------------------|---|---------------------------------|-------------------------|----------|---------------------------------|---------------------|----------|
| Lukas 1, 28-31    | Die Verkündigung der Geburt Jesu an Maria     | N 6                             | 94                      | 45       | 1/27,<br>8/15,<br>7/7,<br>15/19 | 402<br>177<br>188   | 116      |
| Lukas 1, 39-40    | Der Besuch Marias bei Elisabet                | N 7                             | 95                      |          | 7/11,<br>16/21                  | 404<br>190<br>768.3 |          |
| Lukas 1, 62-64    | Beschneidung u. Namengebung v. Johannes ..    | N 8                             | 96                      |          |                                 | 404                 |          |
| Lukas 2, 4-5      |   | N 10                            |                         |          | 7/13                            | 405                 |          |
| Lukas 2, 7        | Geburt Jesu - Josef und Maria in Anbetung ... | N 11                            | 96                      | 46       |                                 | 405                 |          |
| Lukas 2, 8-11     | Die Verkündigung an die Hirten                | N 12                            | 97                      |          | 1/29,<br>7/15,<br>15/5          | 406                 |          |
| Lukas 2, 13-14    | Das himmlische Heer der Engel                 | N 12a                           | 97                      |          |                                 |                     |          |
| Lukas 2, 16       | Die Anbetung der Hirten                       | N 13                            | 98<br>92                |          | 5/23,6/21<br>7/17+19<br>14/21   | 408                 | 118      |
| Lukas 2, 21       | Die Beschneidung Jesu                         | N 14                            | 98                      |          | 7/21                            | 410                 |          |
| Lukas 2, 26-32    | Die Darstellung im Tempel - mit Simeon        | N 18                            | 99                      |          | 7/29,<br>7/31                   | 412                 |          |
| Lukas 2, 37-38    | Die Darstellung im Tempel - ... Prophetin ... | N 19                            | 99                      |          |                                 | 413                 |          |
| Lukas 2, 46       | Der 12-jährige Jesus im Tempel                | N 25                            | 99                      | 50       | 5/29                            | 417                 |          |
| Lukas 3, 3        | Johannes der Täufer predigt in der Wüste      | N 26                            | 100                     |          | 12/9                            | 418                 |          |
| Lukas 5, 5-7      | Der wunderbare Fischfang                      | N 132                           | 103                     |          |                                 | 476<br>768.4        |          |
| Lukas 5, 12-13    | Die Heilung eines Aussätzigen                 | N 133                           | 103                     |          |                                 | 476                 |          |
| Lukas 5, 18-20    | Die Heilung eines Gelähmten in Kafarnaum      | N 134                           | 104                     |          | 17/21                           | 477                 |          |
| Lukas 7, 12-15    | Die Auferweckung des Jünglings zu Nain        | N 139                           | 107                     |          | 13/23                           | 480                 |          |
| Lukas 7, 37-38    | Jesus wird von der Sünderin gesalbt           | N 164                           | 109                     |          | 4/9                             | 499                 | 162      |
| Lukas 8, 1-3      | Jesus wird von den Frauen bedient             | N 46                            | 109                     |          |                                 | 431                 |          |
| Lukas 8, 51-56    | Die Auferweckung des Töchterchens des ...     | N 143                           | 112                     |          | 13/25                           | 484                 |          |
| Lukas 9, 23-26    | Die Nachfolge Christi                         | N 51                            | 113                     |          | 15/9                            | 433                 |          |
| Lukas 10, 1-3     | Die Aussendung der Jünger                     | N 57                            | 115                     |          |                                 | 439                 |          |
| Lukas 10, 29b-34a | Der barmherzige Samariter                     | N 92                            | 116<br>254              | 69       |                                 | 456                 | 138      |
| Lukas 10, 34b     | Der Verwundete wird in die Herberge gebracht  | N 93                            | 116                     |          |                                 | 458                 |          |
| Lukas 10, 38-42   | Jesus bei Maria und Marta                     | N 58                            | 117                     | 60       |                                 | 439<br>768.3        |          |
| Lukas 11, 5-6     | Der bittende Freund                           | N 94                            | 117                     |          | 12/29                           | 458                 |          |
| Lukas 12, 16b-18  | Der reiche Kornbauer                          | N 95                            | 120                     |          |                                 | 459                 |          |
| Lukas 12, 35-36   | Der wachende Knecht                           | N 96                            | 121                     |          | 14/25                           | 459                 |          |
| Lukas 12, 42      | Der kluge Verwalter                           | N 98                            | 121                     |          |                                 | 460                 |          |
| Lukas 13, 6b-9    | Der unfruchtbare Feigenbaum                   | N 99                            | 123                     |          |                                 | 460                 |          |
| Lukas 13, 10-13   | Die Heilung der verkrümmten Frau              | N 156                           | 123                     |          | 12/33,<br>13/27                 | 494                 |          |
| Lukas 14, 25-27   | Jesus spricht über den wahren Jünger          | N 52                            | 125                     |          |                                 | 434                 |          |
| Lukas 14, 21      | Einladung zum Festmahl                        | N 100                           | 125                     |          |                                 | 460                 |          |
| Lukas 15, 4-7     | Das verlorene Schaf                           | N 101                           | 126                     | 70       | 6/29,<br>15/15                  | 460                 |          |
| Lukas 15, 8-9     | Der verlorene Groschen                        | N 102                           | 126                     |          | 16/25                           | 461                 |          |
| Lukas 15, 11-12   | Der verlorene Sohn bekommt sein Erbteil       | N 103                           | 127                     |          |                                 | 461                 |          |

| Bibelstelle       | Text-Überschrift                                  | Kenn-Ziffer<br>Bibel-<br>fliese | Fli.-<br>Bi<br>NT<br>S. | AK<br>S. | BiBi<br>Bd./S.           | Pl. S.                            | KK<br>S. |
|-------------------|---|---------------------------------|-------------------------|----------|--------------------------|-----------------------------------|----------|
| Lukas 15, 13a     | Der verlorene Sohn verabschiedet sich             | N 104                           | 127                     |          |                          | 461<br>174                        | 140      |
| Lukas 15, 13b     | Der verlorene Sohn lebt verschwenderisch          | N 105                           | 127                     |          | 15/31                    | 463                               |          |
| Lukas 15, 13b     | Die Dirnen verjagen den verlorenen Sohn           | N 106                           |                         |          |                          | 464                               |          |
| Lukas 15, 14-17   | Der verlorene Sohn als Schweinehirt               | N 107                           | 128                     | 71       | 6/31                     | 464<br>183<br>191<br>768.3        | 142      |
| Lukas 15, 20-21   | Die Heimkehr des verlorenen Sohnes                | N 108                           | 128                     | 72       | 5/35,<br>13/19,<br>17/19 | 465<br>190                        |          |
| Lukas 16, 2       | Der ungerechte Verwalter                          | N 109                           | 129                     |          | 10/25                    | 467                               |          |
| Lukas 16, 19-21   | Der reiche Mann und der arme Lazarus              | N 110                           | 130                     | 73       |                          | 467                               |          |
| Lukas 16, 22a     | Lazarus stirbt und wird von Engeln zum Himmel ... | N 111                           | 130                     | 74       | 1/31                     | 468<br>768.4                      |          |
| Lukas 16, 23a     | Der reiche Mann stirbt                            | N 111a                          | 130                     |          |                          |                                   |          |
| Lukas 16, 23b     | Lazarus in Abrahams Schoß                         | N 112                           | 131                     |          | 13/21                    | 469                               |          |
| Lukas 16, 22b-23  | Der reiche Mann im Totenreich                     | N 113                           | 130                     |          |                          | 469                               |          |
| Lukas 17, 12-15   | Die Heilung der zehn Aussätzigen                  | N 154                           | 132                     |          |                          | 493<br>179<br>220                 |          |
| Lukas 17, 34      | Zwei Männer werden auf einem Bett liegen          | N 122                           | 132                     |          |                          | 472                               |          |
| Lukas 18, 2-3     | Der ungerechte Richter                            | N 114                           | 133                     |          |                          | 470                               |          |
| Lukas 18, 11-14   | Der Pharisäer und der Zöllner                     | N 115                           | 133                     | 75       |                          | 470                               |          |
| Lukas 19, 3-6     | Jesus ruft Zachäus vom Baum herunter              | N 64                            | 135                     | 61       | 17/7                     | 444<br>768.6                      | 130      |
| Lukas 22, 43      | Jesu Gebet in Getsemani - Jesus wird von ...      | N 173                           | 141                     |          | 13/29                    | 498                               |          |
| Lukas 23, 9-10    | Jesus vor Herodes                                 | N 184                           | 142                     |          |                          | 512                               |          |
|                   |   | N 195                           |                         |          |                          | 520                               |          |
| Lukas 24, 15-16   | Die Emmausjünger                                  | N 207                           | 145                     | 98       | 2/25,<br>4/35,<br>9/31   | 535<br>178<br>768.7               | 186      |
| Lukas 24, 30-31   | Die Mahlzeit zu Emmaus                            | N 208                           | 146                     |          |                          | 537<br>175                        |          |
|                   | Der Evangelist Johannes                           | N 4                             | 147                     |          |                          | 402                               |          |
| Johannes 1, 45-47 | Die Berufung der ersten Jünger - Philippus ...    | N 34                            | 148                     |          |                          | 422                               |          |
| Johannes 2, 1-7   | Die Hochzeit zu Kana                              | N 131                           | 149<br>318              |          | 11/25                    | 475                               |          |
| Johannes 3, 2     | Das Gespräch von Jesus mit Nikodemus              | N 35                            | 150                     | 53       | 8/19,<br>11/23           | 422<br>224                        |          |
| Johannes 4, 7     | Jesus und die Samariterin am Brunnen              | N 36                            | 151<br>332              | 54       | 9/21,<br>16/23           | 423<br>180<br>189<br>217<br>768.7 | 126      |
| Johannes 5, 1-4   | Ein Engel fährt nieder in den Teich zu Betesda    | N 135                           | 153                     |          | 3/29                     | 477                               |          |
| Johannes 5, 5-9   | Die Heilung des Gelähmten zu Betesda              | N 136                           | 153                     | 76       | 11/27                    | 477<br>208                        | 146      |
| Johannes 6, 12-13 | Die übrig gebliebenen Brocken werden ...          | N 147                           | 155                     | 81       |                          | 487                               |          |
| Johannes 8, 3-7   | Jesus und die Sünderin                            | N 54                            | 159                     | 59       | 10/23,<br>12/15          | 437                               | 128      |

| Bibelstelle        | Text-Überschrift                                | Kenn-Ziffer Bibel-fliese | Fli.-Bi NT S. | AK S. | BiBi Bd./S.     | Pl. S.                       | KK S. |
|--------------------|---|--------------------------|---------------|-------|-----------------|------------------------------|-------|
| Johannes 8, 59     | Der Versuch, Jesus zu steinigen                 | N 56                     | 161           |       | 11/33,<br>12/17 | 438<br>768.7                 |       |
| Johannes 9, 6-7    | Die Heilung eines Blindgeborenen                | N 155                    | 162           |       |                 | 493<br>174<br>190            |       |
| Joh. 10, 11-12a    | Der gute Hirte                                  | N 88                     | 163           | 67    | 6/27            | 453                          | 134   |
| Johannes 11, 32    | Maria erzählt Jesus, dass Lazarus gestorben ..  | N 157                    | 165           |       |                 | 494                          |       |
| Johannes 11, 43-44 | Die Auferweckung des Lazarus                    | N 158                    | 166           | 84    | 11/31           | 494                          | 156   |
| Johannes 12, 29    | Ein Engel spricht zu Jesus                      | N 66a                    | 168           |       |                 |                              |       |
| Johannes 13, 6-8a  | Petrus weigert sich, sich von Jesus die Füße .. | N 167                    | 169           |       |                 | 501                          |       |
| Johannes 13, 8b-9  | Petrus will auch sein Haupt gewaschen haben     | N 168                    | 169           |       | 4/11            | 502                          | 164   |
| Johannes 15, 1-5   | Der wahre Weinstock                             | N 89                     | 171           |       |                 | 455                          | 136   |
| Johannes 17, 1-2   | Das hohepriesterliche Gebet                     | N 171                    | 174           |       |                 | 506                          |       |
| Johannes 19, 1     | Die Geißelung                                   | N 186                    | 176           | 89    |                 | 513<br>768.3                 | 172   |
| Johannes 19, 5-6   | 'Sehet, welch ein Mensch!'                      | N 189                    | 177           |       |                 | 516                          |       |
| Joh. 19, 16b-18    | Die Kreuzaufrichtung                            | N 193                    | 177           |       |                 | 519                          |       |
| Johannes 19, 26-27 | Die Kreuzigung                                  | N 196                    | 178           | 94    | 10/33,<br>16/33 | 521<br>189                   | 178   |
| Johannes 19, 33-34 | Ein Kriegsknecht sticht in die Seite Jesu       | N 199                    | 178           |       |                 | 528                          |       |
| Joh. 19, 38-39a    | Die Kreuzabnahme                                | N 200                    | 179           |       | 4/31            | 528                          |       |
| Johannes 19, 40    | Das Begräbnis - die Grabtragung                 | N 201                    | 179           |       | 12/35           | 529<br>173<br>768.4          |       |
| Johannes 19, 41-42 | Die Begräbnis - die Grablegung                  | N 202                    | 179           |       |                 | 529                          |       |
| Joh. 20, 14-17a    | Jesus erscheint Maria von Magdala               | N 205                    | 180           |       | 16/35           | 533                          | 184   |
| Johannes 20, 26-27 | Der ungläubige Thomas                           | N 209                    | 180           | 99    |                 | 537                          |       |
| Johannes 21, 4-6   | Die Erscheinung am See von Tiberias             | N 210                    | 181           |       | 3/31            | 537                          |       |
| Johannes 21, 7     | Petrus wadet durch das Wasser zu Jesus          | N 211                    | 182           | 100   |                 | 538                          |       |
| Johannes 21, 11-13 | Jesus isst mit seinen Jüngern                   | N 212                    | 182           | 101   | 3/33            | 538                          |       |
| Johannes 21, 21-22 | Petrus fragt Jesus nach der Zukunft von ...     | N 213                    | 182           |       |                 | 538                          |       |
| Apg. 1,9           | Die Himmelfahrt                                 | N 214                    | 185           | 102   | 8/31            | 539<br>191<br>768.2<br>768.3 | 188   |
| Apg. 1, 18         | Der Sturz des Judas                             | N 183                    | 186           |       |                 | 511                          |       |
| Apg. 2, 1-3        | Die Ausgießung des Heiligen Geistes             | N 215                    | 187           |       | 14/31           | 541                          |       |
| Apg. 2, 14         | Die Rede von Petrus                             | N 215a                   | 187           |       |                 |                              |       |
| Apg. 3, 3-8a       | Petrus und Johannes heilen einen Gelähmten      | N 216                    | 189           |       | 17/35           | 542                          |       |
| Apg. 5, 4-5        | Der Tod des Hananias                            | N 217                    | 191           |       |                 | 543                          |       |
| Apg. 5, 7-10       | Der Tod der Saphira                             | N 218                    |               |       |                 | 543                          |       |
| Apg. 5, 14-15      | Petrus' Schatten heilt die Kranken              | N 219                    | 192           |       |                 | 544                          |       |
| Apg. 5, 19-20      | Die Apostel werden aus dem Gefängnis befreit    | N 220                    | 192           |       |                 | 544                          |       |
| Apg. 5, 39c-40     | Die Apostel werden gegeißelt                    | N 221                    | 193           |       |                 | 544                          |       |
| Apg. 6, 12-13      | Stephanus wird vor den Hohenpriester geführt    | N 222                    | 194           |       |                 | 545                          |       |
| Apg. 7, 56-58a     | Stephanus wird zur Stadt hinausgetrieben        | N 223                    | 196           |       |                 | 545<br>184                   |       |
| Apg. 7, 58b-60     | Stephanus wird gesteinigt                       | N 224                    | 197           |       | 10/35,<br>13/33 | 545                          |       |
| Apg. 8, 26         | Ein Engel sendet Philippus auf den Weg ...      | N 225                    | 198           |       |                 | 546                          |       |
| Apg. 8, 30-31      | Philippus redet den Kämmerer an                 | N 226                    | 198           |       | 9/33            | 547                          |       |

| Bibelstelle         | Text-Überschrift                                  | Kenn-Ziffer Bibel-fliese | Fli.-Bi NT S. | AK S. | BiBi Bd./S.              | Pl. S.                   | KK S. |
|---------------------|---|--------------------------|---------------|-------|--------------------------|--------------------------|-------|
| Apg. 8, 38          | Der Kämmerer wird von Philippus getauft           | N 227                    | 199           |       |                          | 547                      |       |
| Apg. 9, 3-6         | Die Bekehrung des Saulus                          | N 228                    | 199           |       | 8/33,<br>9/35            | 548<br>205               | 190   |
| Apg. 9, 8           | Saulus - blind - wird nach Damaskus geführt       | N 229                    | 200           |       |                          | 550                      |       |
| Apg. 9, 17-18       | Saulus werden von Hananias die Hände ...          | N 230                    | 200           |       |                          | 550                      |       |
| Apg. 9, 24-25       | Saulus flüchtet aus Damaskus                      | N 231                    | 201           |       | 18/33                    | 550<br>768.2             |       |
| Apg. 9, 33-34       | Petrus heilt Äneas                                | N 232                    | 201           |       |                          | 550                      |       |
|                     |   | N 233                    |               |       |                          | 551                      |       |
| Apg. 9, 40a         | Petrus kniet bei Tabita                           | N 234                    | 202           |       |                          | 551                      |       |
| Apg. 9, 40b-41      | Petrus erweckt Tabita                             | N 235                    | 202           |       |                          | 551                      |       |
| Apg. 10, 3-6        | Ein Engel erscheint dem Kornelius                 | N 236                    | 202           |       |                          | 551                      |       |
| Apg. 10, 10-16      | Petrus' Vision                                    | N 237                    | 203           |       |                          | 552                      |       |
| Apg. 10, 46b-48     | Petrus tauft Kornelius                            | N 238                    | 204           |       |                          | 552                      |       |
| Apg. 12,2           | Der Apostel Jakobus wird enthauptet               | N 239                    | 206           |       |                          | 553                      |       |
| Apg. 12, 6-8a       | Petrus wird von einem Engel befreit               | N 240                    | 206           | 104   | 1/35                     | 553                      |       |
| Apg. 12, 8b-10a     | Petrus wird durch den Engel nach draußen ...      | N 241                    | 207           |       |                          | 554                      |       |
| Apg. 13, 9-11a      | Saulus bestraft Elymas mit Blindheit              | N 242                    | 208           |       |                          | 554                      |       |
| Apg. 14, 9-10       | Paulus heilt einen Gelähmten in Lystra            | N 243                    | 210           |       |                          | 555                      |       |
| Apg. 14, 11-15a     | Paulus und Barnabas werden in Lystra als ...      | N 244                    | 210           |       |                          | 555                      |       |
| Apg. 16, 17-18      | Die Magd mit dem wahrsagenden Geist               | N 245                    | 214           |       |                          | 555                      |       |
| Apg. 16, 23-25      | Paulus und Silas im Gefängnis                     | N 246                    | 214           |       |                          | 556                      |       |
| Apg. 16, 26-28      | Paulus hält den Gefängniswärter vom ...           | N 247                    | 215           |       |                          | 556                      |       |
| Apg. 16, 29         | Der Gefängniswärter wirft sich vor Paulus ...     | N 248                    | 215           |       |                          | 556                      |       |
| Apg. 19, 11-12      | Paulus heilt Kranke in Ephesus                    | N 249                    | 219           |       |                          | 556                      |       |
| Apg. 19, 19         | Paulus und Skevas – die Verbrennung der ...       | N 250                    | 219           |       |                          | 557                      |       |
| Apg. 21,11          | Paulus und der Prophet Agabus aus Judäa           | N 251                    | 222           |       |                          | 557                      |       |
| Apg. 26, 1-2        | Paulus verantwortet sich vor Agrippa              | N 252                    | 229           |       |                          | 557                      |       |
| Apg. 27, 41         | Paulus erleidet Schiffbruch vor Malta             | N 253                    | 231           |       | 3/35,<br>14/33,<br>18/35 | 557                      |       |
| Apg. 28, 3-6        | Paulus schleudert eine Viper von der Hand ins ... | N 254                    | 232           |       |                          | 558<br>184<br>186<br>196 |       |
| Apg. 28, 13-14      | Paulus wird von den Brüdern in Rom empfangen      | N 255                    | 232           |       |                          | 558                      |       |
| Apg. 28, 17-18      | Paulus predigt in Rom                             | N 256                    | 233           |       |                          | 559                      |       |
| 1. Korinther 13, 13 | Glaube, Hoffnung und Liebe                        | N 257                    | 267           |       |                          | 559                      |       |
| 2. Kor. 11, 24-25   | Paulus erzählt von seinen Schicksalsschlägen      | N 258                    | 282           |       |                          | 559                      |       |
| Offb. 1, 9          | Johannes auf Patmos                               | N 259                    | 377           |       | 14/35                    | 559                      |       |
| Offb. 1, 12-17a     | Johannes sieht Christus inmitten von sieben ...   | N 260                    | 378           |       |                          | 560                      |       |
| Offb. 5, 6-8a       | Die 24 Ältesten beten das Lamm an                 | N 261                    | 381           |       |                          | 560                      |       |
| Offb. 6, 1-2        | Die vier apokalyptischen Reiter                   | N 262                    | 382           |       |                          | 560                      |       |
| Offb. 8, 5          | Ein Engel schüttet Feuer auf die Erde             | N 263                    | 384           |       | 15/29                    | 260<br>194               |       |
| Offb. 9, 1-3        | Die Heuschrecken kommen aus dem Abgrund           | N 264                    | 384<br>374    |       |                          | 561                      |       |
| Offb. 10, 8-9       | Der Engel gibt Johannes ein Büchlein ...          | N 265                    | 386           |       |                          | 561                      |       |
| Offb. 11,7; 11-12   | Die zwei Zeugen                                   | N 266                    | 386           |       |                          | 561                      |       |
|                     |   | N 267                    |               |       |                          | 561                      |       |

| <b>Bibelstelle</b>   | <b>Text-Überschrift</b>                     | <b>Kenn-Ziffer Bibel-fliese</b> | <b>Fli.-Bi NT S.</b> | <b>AK S.</b> | <b>BiBi Bd./S.</b> | <b>Pl. S.</b> | <b>KK S.</b> |
|----------------------|---|---------------------------------|----------------------|--------------|--------------------|---------------|--------------|
| Offb. 13, 3-4; 11-13 | Das siebenköpfige Tier wird angebetet       | N 268                           | 388                  |              |                    | 562           |              |
| Offb. 16, 13-14      | Die unreinen Geister                        | N 269                           | 391                  |              |                    | 562           |              |
| Offb. 17, 1-5        | Die babylonische Hure                       | N 270                           | 391                  |              |                    | 562           |              |
| Offb. 18, 21         | Die Verkündigung des Falls von Babylon      | N 271                           | 393                  | 105          |                    | 563           |              |
| Offb. 20, 1-3        | Der Drache wird für tausend Jahre gefesselt | N 272                           | 394                  |              |                    | 563           |              |
| Offb. 21, 10         | Der Engel zeigt Johannes das neue Jerusalem | N 273                           | 396                  |              | 8/35,<br>13/35     | 564           | 192          |